

महत्वाचे पत्र

जा.क्र./विप्र-७/क्रॉपसॅप १७-१८/प्र.क्र.३/४२६/१७  
कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे- ४११ ००५  
दिनांक: २५/०७/२०१७

प्रति,

१. विभागीय कृषि सहसंचालक (सर्व) -----
२. जिल्हा अधिक्षक कृषि अधिकारी (सर्व) -----

**विषय:** पिकांवरील कीड-रोग सर्वेक्षण व सल्ला प्रकल्प (क्रॉपसॅप): २०१७-१८ मार्गदर्शक सुचनांतील अंशतः बदलाबाबत...

- संदर्भ:** १. आयुक्तालयाच्या अंतरीम मार्गदर्शक सुचनांचे पत्र जा.क्र./विप्र-७/क्रॉपसॅप १७-१८/प्र. क्र.३/२९३/१६, दि.३१/५/२०१७
२. आयुक्तालयाच्या अंतिम मार्गदर्शक सुचनांचे पत्र जा.क्र./ विप्र-७/ क्रॉपसॅप १७-१८/ प्र. क्र.३/३९६/१६, दि.१४/७/२०१७
३. शासन निर्णय कृषि व पदुम विभाग क्र.संकीर्ण-२०१७/प्र.क्र.३१/१७-अ, दि.१९/४/२०१७
४. संचालक, नि.व गु.नि. यांनी निर्गमित केलेल्या मार्गदर्शक सुचना जा. क्र. सीपीएस/ कृ. निविष्ठा/डी.बी.टी./मा.सू./२०१७-१८/१९७/गुनि-५/२०१७, दि.२०/६/२०१७

कृषि विभागामार्फत राबविण्यात येणाऱ्या विविध केंद्र व राज्य पुरस्कृत योजनांतर्गत अनुदानावर वाटप करावयाच्या कृषि निविष्ठासंदर्भात थेट लाभ हस्तांतरण (DBT) पद्धतीने लाभार्थ्यांच्या बँक खात्यात रोख स्वरूपात लाभ देण्याचा धोरणात्मक निर्णय राज्य शासनाने घेतला असून त्यानुषंगाने संदर्भीय शासन निर्णय दि.१९/४/२०१७ नुसार कीटकनाशक व इतर निविष्ठांच्या अनुदानाची रक्कम लाभार्थ्यांच्या बँक खात्यात रोख स्वरूपात जमा करण्याची कार्यपद्धती विहित करण्यात आली आहे. त्यास अनुसरून संचालक, नि.व गु.नि. यांनी संदर्भीय दि.२०/६/२०१७ अन्वये सविस्तर मार्गदर्शक सुचना निर्गमित केल्या आहेत. सदर मार्गदर्शक सुचनांनुसार क्रॉपसॅप प्रकल्पांतर्गत आपत्कालीन परीस्थितीत पुरवठा करावयाच्या पीक संरक्षण निविष्ठांसाठी थेट लाभ हस्तांतरण (DBT) पद्धतीचा अवलंब करणे क्रमप्राप्त ठरते. ही बाब विचारात घेऊन क्रॉपसॅप प्रकल्पाच्या संदर्भीय दि.३१/५/२०१७ व दि.१४/७/२०१७ नुसार निर्गमित केलेल्या मार्गदर्शक सुचनांमध्ये पुढीलप्रमाणे अंशतः बदल करण्यात येत असून त्यानुसार सुधारीत केलेले मुद्दे खालीलप्रमाणे वाचावेत.

**मुद्दा क्र.११. पुढीलप्रमाणे पुर्णतः सुधारीत करण्यात येत आहे.**

**११. आपत्कालीन परिस्थितीत पिकांवरील कीड रोगांचे व्यवस्थापन करणे:**

११.१. आपत्कालीन परिस्थितीमध्ये सोयाबीन, कापूस, भात, तूर व हरभरा पिकांवरील कीड रोगांच्या व्यवस्थापनासाठी वापरावयाच्या जैविक/रासायनिक निविष्ठांकरीता ५० टक्के व जास्तीत जास्त ₹ ७५०/- प्रति हेक्टर मर्यादेत शेतकऱ्यांना अनुदान देय राहिल. आपत्कालीन निविष्ठांकरीता जिल्हानिहाय नियोजित क्षेत्र खालील तक्त्यात दर्शविल्याप्रमाणे राहिल.

**आपत्कालीन निविष्ठांकरिता जिल्हानिहाय नियोजित क्षेत्राचा तपशिल**

| विभाग                | जिल्हा     | पिकनिहाय क्षेत्र हेक्टरमध्ये |             |            |            |            | एकूण क्षेत्र हेक्टर |
|----------------------|------------|------------------------------|-------------|------------|------------|------------|---------------------|
|                      |            | भात                          | सोयाबीन     | कापूस      | तूर        | हरभरा      |                     |
| ठाणे                 | ठाणे       | ४०                           | ०           | ०          | ०          | ०          | ४०                  |
|                      | पालघर      | ६०                           | ०           | ०          | ०          | ०          | ६०                  |
|                      | रायगड      | ८०                           | ०           | ०          | ०          | ०          | ८०                  |
|                      | रत्नागिरी  | ५०                           | ०           | ०          | ०          | ०          | ५०                  |
|                      | सिंधुदुर्ग | ५०                           | ०           | ०          | ०          | ०          | ५०                  |
| <b>ठाणे वि.</b>      | <b>५</b>   | <b>२८०</b>                   | <b>०</b>    | <b>०</b>   | <b>०</b>   | <b>०</b>   | <b>२८०</b>          |
| नाशिक                | नाशिक      | ६०                           | ५०          | ३०         | २०         | ३०         | १९०                 |
|                      | धुळे       | २०                           | २०          | १३०        | २०         | २०         | २१०                 |
|                      | नंदूरबार   | २०                           | २०          | ६०         | २०         | २०         | १४०                 |
|                      | जळगांव     | ०                            | २०          | ३४०        | २०         | ४०         | ४२०                 |
| <b>नाशिक वि.</b>     | <b>४</b>   | <b>१००</b>                   | <b>११०</b>  | <b>५६०</b> | <b>८०</b>  | <b>११०</b> | <b>९६०</b>          |
| पुणे                 | अहमदनगर    | २०                           | ७०          | ९०         | २०         | ७०         | २७०                 |
|                      | पुणे       | ४०                           | २०          | ०          | ०          | ३०         | ९०                  |
|                      | सोलापूर    | ०                            | ४०          | ०          | ८०         | ४०         | १६०                 |
| <b>पुणे वि.</b>      | <b>३</b>   | <b>६०</b>                    | <b>१३०</b>  | <b>९०</b>  | <b>१००</b> | <b>१४०</b> | <b>५२०</b>          |
| कोल्हापूर            | सातारा     | ३०                           | ५०          | ०          | ०          | २०         | १००                 |
|                      | सांगली     | २०                           | ४०          | ०          | २०         | २०         | १००                 |
|                      | कोल्हापूर  | ८०                           | ४०          | ०          | ०          | २०         | १४०                 |
| <b>कोल्हापूर वि.</b> | <b>३</b>   | <b>१३०</b>                   | <b>१३०</b>  | <b>०</b>   | <b>२०</b>  | <b>६०</b>  | <b>३४०</b>          |
| औरंगाबाद             | औरंगाबाद   | ०                            | २०          | २९०        | ४०         | ४०         | ३९०                 |
|                      | जालना      | ०                            | १००         | १८०        | ६०         | ४०         | ३८०                 |
|                      | बीड        | ०                            | १७०         | २६०        | ५०         | ८०         | ५६०                 |
| <b>औ. बाद वि.</b>    | <b>३</b>   | <b>०</b>                     | <b>२९०</b>  | <b>७३०</b> | <b>१५०</b> | <b>१६०</b> | <b>१३३०</b>         |
| लातूर                | लातूर      | ०                            | ३१०         | ०          | ९०         | १६०        | ५६०                 |
|                      | उस्मानाबाद | २०                           | १६०         | २०         | ९०         | ११०        | ४००                 |
|                      | नांदेड     | ०                            | २४०         | १९०        | ५०         | ९०         | ५७०                 |
|                      | परभणी      | ०                            | १८०         | १३०        | ४०         | ५०         | ४००                 |
|                      | हिंगोली    | ०                            | १८०         | ४०         | ४०         | ५०         | ३९०                 |
| <b>लातूर वि.</b>     | <b>५</b>   | <b>२०</b>                    | <b>१०७०</b> | <b>३८०</b> | <b>३१०</b> | <b>४६०</b> | <b>२२४०</b>         |
| अमरावती              | बुलढाणा    | ०                            | ३२०         | ११०        | ७०         | ९०         | ५९०                 |
|                      | अकोला      | ०                            | १६०         | ७०         | ५०         | ४०         | ३२०                 |
|                      | वाशिम      | ०                            | २२०         | २०         | ५०         | ४०         | ३३०                 |
|                      | अमरावती    | २०                           | २२०         | १४०        | १००        | ९०         | ५७०                 |
|                      | यवतमाळ     | ०                            | २००         | ३३०        | १३०        | ११०        | ७७०                 |
| <b>अमरावती वि.</b>   | <b>५</b>   | <b>२०</b>                    | <b>११२०</b> | <b>६७०</b> | <b>४००</b> | <b>३७०</b> | <b>२५८०</b>         |

**आपत्कालीन निविष्ठांकरिता जिल्हानिहाय नियोजित क्षेत्राचा तपशिल**

| विभाग      | जिल्हा   | पिकनिहाय क्षेत्र हेक्टरमध्ये |         |       |      |       | एकूण क्षेत्र हेक्टर |
|------------|----------|------------------------------|---------|-------|------|-------|---------------------|
|            |          | भात                          | सोयाबीन | कापूस | तूर  | हरभरा |                     |
| नागपूर     | वर्धा    | ०                            | ९०      | १७०   | ६०   | ३०    | ३५०                 |
|            | नागपूर   | ७०                           | ८०      | १६०   | ४०   | ६०    | ४१०                 |
|            | भंडारा   | ११०                          | ०       | ०     | २०   | २०    | १५०                 |
|            | गोंदीया  | १२०                          | ०       | ०     | २०   | २०    | १६०                 |
|            | चंद्रपूर | १४०                          | ५०      | १३०   | २०   | २०    | ३६०                 |
|            | गडचिरोली | १४०                          | ०       | २०    | २०   | ०     | १८०                 |
| नागपूर वि. | ६        | ५८०                          | २२०     | ४८०   | १८०  | १५०   | १६१०                |
| एकूण राज्य | ३४       | ११९०                         | ३०७०    | २९१०  | १२४० | १४५०  | ९८६०                |

वरील तक्त्यात दर्शविलेले क्षेत्र हे नियोजित असून प्रत्यक्ष प्रादुर्भावानुरूप संबंधीत विभागीय कृषि सहसंचालक हे त्या विभागासाठी मंजूर असलेल्या एकूण क्षेत्राच्या मर्यादेत जिल्ह्यांतर्गत व पिकांतर्गत बदल करू शकतील. त्याकरीता मागील वर्षातील अनुभवाचा विचार करता ज्या ठिकाणी सतत हॉट स्पॉट (कीड रोग प्रवण क्षेत्र) निर्माण होत आहे अशी ठिकाणे निश्चित करावीत व त्या ठिकाणी कीटकनाशकांच्या उपलब्धतेबाबत प्राधान्याने नियोजन करावे. तसेच, चालू वर्षाच्या कीड रोग प्रादुर्भावाच्या माहितीप्रमाणे प्रादुर्भावग्रस्त क्षेत्रातील शेतकऱ्यांना कीटकनाशक पुरवठ्याबाबत नियोजन करावे.

**११.२.** सन २०१७-१८ मध्ये क्रॉपसॅप अंतर्गत आपत्कालीन परिस्थितीत अनुदानावर वाटप करावयाच्या कृषि निविष्ठांसंदर्भात संचालक, नि.व गु.नि. यांनी संदर्भीय दि.२०/६/२०१७ अन्वये निर्गमित केलेल्या सविस्तर मार्गदर्शक सुचनांमधील कीटकनाशक निविष्ठांची निश्चिती, दर्जा गुणवत्ता, तांत्रिक निकष व अनुदान अदा करणेबाबत नमूद केलेल्या कार्यपद्धतीचा अवलंब करावा.

**११.३.** नियोजित क्षेत्राच्या मर्यादेत प्रादुर्भावग्रस्त क्षेत्रातील शेतकऱ्यांना थेट लाभ हस्तांतरण (DBI) पद्धतीनुसार कीटकनाशक खरेदीबाबत उद्युक्त करावे. आपत्कालीन परिस्थितीमध्ये आर्थिक नुकसान संकेत पातळीच्या वरील कीड-रोग प्रादुर्भावग्रस्त क्षेत्राची व्याप्ती मोठ्या प्रमाणावर असल्यास त्या ठिकाणी संबंधीत पिकासाठी विविध केंद्र व राज्य पुरस्कृत योजनांमधील एकात्मिक कीड व्यवस्थापनासाठी उपलब्ध तरतूदीतून पीक संरक्षण निविष्ठांच्या वापरद्वारे सदर प्रादुर्भावग्रस्त क्षेत्र आर्थिक नुकसान संकेत पातळीच्या खाली ठेवण्यासाठी आवश्यक ती सर्व कार्यवाही करावी. आवश्यकतेनुरूप जिल्हा नियोजन व विकास योजना किंवा तत्सम जिल्हा स्तरावरील योजनांच्या निधीचे समन्वयाने याबाबत कार्यवाही करावी.

**११.४.** सोयाबीन, कापूस, भात, तूर व हरभरा पिकांवर येणाऱ्या सर्व प्रकारच्या कीड व रोगांच्या व्यवस्थापनासाठी या प्रकल्पांतर्गत आपत्कालीन निविष्ठांकरिता उपलब्ध करून दिलेल्या अर्थसहाय्याचा वापर करावा.

**११.५** विभागीय कृषि सहसंचालक यांनी प्रकल्प सनियंत्रण समितीच्या बैठकीत या प्रकल्पंतर्गत आपत्कालीन निविष्ठांच्या पुरवठ्याबाबत खालील प्रपत्रानुसार जिल्हानिहाय आढावा घेऊन विभागाची एकत्रीत माहिती दर महिन्याला प्रकल्पाच्या मासिक प्रगती अहवालासोबत तसेच, ईमेलद्वारेही न चूकता आयुक्तालयास सादर करावी.

प्रपत्र: क्रॉपसॅप २०१७-१८ अंतर्गत थेट लाभ हस्तांतरणद्वारे पुरवठा केलेल्या निविष्ठांचा तपशील

विभाग:

जिल्हा:

माहे:

अखेर

| अ. क्र. | किटकनाशक नाव | पीक | अहवाल दिनांकास वापर केलेल्या निविष्ठा (लिटर/ की.ग्रॅ.) | शेतकरी संख्या | डी.बी.टीद्वारे वर्ग करावयाचे एकूण अनुदान (रु. हजारात) | डी.बी.टीद्वारे प्रत्यक्ष वर्ग केलेले अनुदान (रु. हजारात) | निविष्ठा पुरवठा झाला नसल्यास त्याची कारणे |
|---------|--------------|-----|--|---------------|---|--|---|
| १       | २            | ३   | ४  | ५             | ६   | ७  | ८   |
|         |              |     |  |               |   |  |   |
|         |              |     |  |               |   |  |   |

१३.२ विभागस्तर मधीत फक्त पहिला परिच्छेद पुढीलप्रमाणे सुधारीत करण्यात येत आहे.

**विभागस्तर:-** विभागीय स्तरावर विभागीय कृषि सहसंचालक हे प्रकल्पाचे नियोजन व अंमलबजावणी बाबत आढावा घेवून संनियंत्रण करतील. ऑनलाईन विश्लेषणाप्रमाणे प्राप्त अॅडव्हायझरीनुसार करावयाच्या आवश्यक त्या उपाययोजना युध्दपातळीवर मोहिम स्वरूपात राबविणे तसेच, ज्या ठिकाणी कीड रोगाची परिस्थिती आर्थिक नुकसान संकेत पातळीच्या वर असेल, अशा परीस्थितीत वेळच्या वेळी पाठपुरावा करून विभागातील कीड रोगांच्या नियंत्रणासाठी उपाययोजना, नियोजन व अंमलबजावणी करून कीड रोगांची तीव्रता आर्थिक नुकसान संकेत पातळीचे खाली ठेवण्याची संपूर्ण जबाबदारी संबंधीत विभागाचे विभागीय कृषि सहसंचालक यांची राहिल. आपत्कालीन परिस्थितीत कीड रोग नियंत्रणासाठी प्रादुर्भवग्रस्त क्षेत्रात निविष्ठा पुरवठ्यासाठी विभागास मंजूर असलेल्या एकूण क्षेत्राच्या मर्यादेत आपत्कालीन निविष्ठांसाठी क्षेत्राचे फेरवाटप संबंधीत विभागीय कृषि सहसंचालक करतील. तसेच, आपत्कालीन परीस्थितीमध्ये आर्थिक नुकसान संकेत पातळीच्यावरील कीड रोग प्रदुर्भावग्रस्त क्षेत्राची व्याप्ती मोठ्या प्रमाणावर असल्यास क्रॉपसॅप प्रकल्पांतर्गत आपत्कालीन परीस्थितीतील पीक संरक्षणासाठी उपलब्ध तरतूद तसेच त्या ठिकाणी राष्ट्रीय अन्न सुरक्षा अभियान, केंद्र पुरस्कृत सधन कापूस विकास कार्यक्रम, गळीत धान्य विकास कार्यक्रम, कडधान्य विकास कार्यक्रम इ. योजनांमधील एकात्मिक कीड व्यवस्थापनासाठी तरतूद असलेल्या पीक संरक्षण निविष्ठांद्वारे सदर प्रदुर्भावग्रस्त क्षेत्र आर्थिक नुकसान संकेत पातळीच्या खाली आणण्याकरीता नियोजन व संनियंत्रण संबंधीत विभागीय कृषि सहसंचालक करतील. तसेच, आवश्यकतेनुरूप जिल्हा नियोजन व विकास योजना किंवा तत्सम जिल्हा स्तरावरील योजनांच्या निधीचे समन्वयाने निविष्ठांची शेतकऱ्यांना उपलब्धतेच्या अनुषंगाने संबंधीत विभागीय कृषि सहसंचालक कार्यवाही करतील. विभागातील कीड रोग स्थितीबाबतची आकडेवारीसह माहिती रेडिओ, आकाशवाणी, वृत्तपत्रे तसेच, इतर माध्यमांद्वारे प्रसिध्दीस देण्याची जबाबदारी विभागीय कृषि सहसंचालक यांची राहिल. विभागातील मास्टर ट्रेनर्स, कीड सर्वेक्षक, कृषि पर्यवेक्षक तसेच “आपीएम गाव” संबंधीत अधिकारी, कर्मचारी, शेतकरी यांच्या प्रशिक्षण कार्यक्रमाचे कृषि विद्यापीठ तसेच एनआयपीएचएम- हैद्राबाद यांच्या समन्वयाने नियोजन व संनियंत्रण करण्याची जबाबदारी विभागीय कृषि सहसंचालक यांची राहिल. कंत्राटी कर्मचाऱ्यांना नियमित व विहित कालमर्यादेत वेतन मिळणे तसेच, याबाबतीतच्या तक्रारींचे निराकरण करणे ही विभागीय कृषि सहसंचालक यांची जबाबदारी राहिल.

१३.३ जिल्हास्तर मधीत फक्त दुसरा परिच्छेद पुढीलप्रमाणे सुधारीत करण्यात येत आहे.

जिल्हा अधीक्षक कृषि अधिकारी यांचे अध्यक्षतेखालील जिल्हा मासिक चर्चासत्र तसेच, जिल्हास्तरावर नव्याने स्थापन केलेल्या जिल्हास्तरीय कीड/रोग सर्वेक्षण, निदान व सल्लागार पथकाद्वारे कीड रोग परीस्थितीचा दर महिन्याला आढावा घेणे, जनजागृती प्रशिक्षणाचे नियोजन करणे, मागील वर्षातील अनुभवाचा विचार करता ज्या ठिकाणी सतत हॉट स्पॉट (कीड रोग प्रवण क्षेत्र) निर्माण होत आहे अशी ठिकाणे निश्चित करणे, पीक संरक्षणासारठी जैविक/रासायनिक किडनाशकांची निश्चिती करून त्याप्रमाणे कीड व्यवस्थापनासाठी शेतकऱ्यांना

ऊद्युक्त करणे, सर्वेक्षण अहवालानुसार ज्या ठिकाणी हॉट स्पॉट (कीड रोग प्रवण क्षेत्र) निर्माण होईल त्या ठिकाणी विभागीय कृषि सहसंचालक यांनी वाटप केलेल्या क्षेत्रमर्यादेत तालुकानिहाय क्षेत्र वाटप करणे, संचालक नि. व गु.नि. यांच्या संदर्भीय दि.२०/६/२०१७ च्या मार्गदर्शक सुचनांनुसार शेतकऱ्यांना डीबीटीद्वारे किटकनाशक खरेदीकरीता ऊद्युक्त करणे, कीड रोग नियंत्रणाची मोहिम राबवून कीड रोगांची तीव्रता आर्थिक नुकसान संकेत पातळीच्या खाली आणण्याची संपूर्ण जबाबदारी संबंधीत जिल्हा अधिक्षक कृषि अधिकारी व तालुका कृषि अधिकारी यांची राहिल. जिल्हा अधिक्षक कृषि अधिकारी हे त्यांच्या जिल्ह्यातील या प्रकल्पाचे संपूर्ण संनियंत्रण त्यांचे कार्यालयातील कृषि उपसंचालकामार्फत करतील.


१३.५ तालुकास्तर पुढीलप्रमाणे सुधारीत करण्यात येत आहे.

तालुकास्तर:- या प्रकल्पांतर्गत कृषि विभागाच्या क्षेत्रिय कर्मचाऱ्यांनी प्रगतशील शेतकऱ्यांच्या मदतीने खरीपातील सोयाबीन-कापूस-भात-तूर पिकविणाऱ्या प्रत्येक गावामध्ये पुर्ण हंगामात दहा व रब्बी मधील हरभरा पिकविणाऱ्या प्रत्येक गावामध्ये पुर्ण हंगामात दहा याप्रमाणे साप्ताहिक बैठकांचे नियोजन व अंमलबजावणी करणे तसेच, उपविभागीय कृषि अधिकारी यांचेकडून आठवडानिहाय ऑनलाईन सर्वेक्षणावर अधारीत एसएमएसद्वारे प्राप्त झालेल्या अॅडव्हायजरीच्या मराठी भाषेतील जम्बो झेरॉक्स करून मंडळ कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक व कृषि सहाय्यक व “आत्मा” अंतर्गत निवडण्यात आलेल्या शेतकरी मित्र (FF) यांचेमार्फत प्रत्येक गावातील कृषि वार्ता फलकावर तसेच, कृषि सेवा केंद्राच्या नोटीस बोर्डावर वेळोवेळी लावल्या जातील याकडे व्यक्तिशः लक्ष देण्याची संपूर्ण जबाबदारी तालुका कृषि अधिकारी यांची राहिल. उपविभागीय कृषि अधिकारी यांचेकडून अॅडव्हायजरीचा एसएमएस प्राप्त करून घेणे व सदर एसएमएसच्या मराठी भाषेतील जम्बो झेरॉक्स प्रती तयार करून तालुक्यातील प्रत्येक गावातील कृषि वार्ताफलकावर तसेच, कृषिसेवा केंद्रांवर लावण्याची संपूर्ण जबाबदारी तालुका कृषि अधिकारी व त्यांचे अधिनस्त मंडळ कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक व कृषि सहाय्यक यांची राहिल. ज्या ठिकाणी कीड रोगांची तीव्रता वाढलेली आहे त्याठिकाणी कीटकनाशक फवारणीकरीता शेतकऱ्यांना ऊद्युक्त करून कीड रोग नियंत्रणाची मोहिम राबविणे, क्रॉपसॅप तसेच अन्य योजनांमधील पीक संरक्षण घटकांतर्गत जिल्हास्तरावरून प्राप्त लक्षांक मर्यादेत प्रथम येणाऱ्यास प्रथम प्राधान्य या तत्वावर संचालक नि.व गु.नि. यांच्या संदर्भीय दि.२०/६/२०१७ च्या मार्गदर्शक सुचनांनुसार डीबीटीद्वारे अनुदान संबंधीत शेतकऱ्यांचे बँक खात्यावर जमा करण्याची संपूर्ण जबाबदारी तालुका कृषि अधिकारी यांची राहिल.

१४. मधील “अर्थसंकल्प वितरण प्रणाली” (बीडीएस) द्वारे उपलब्ध करून देण्यात आलेला निधीच्या तक्त्यातील अ.क्र.५ मध्ये पुढील बाबीचा समावेश करण्यात येत असून त्यानुसार तालुका कृषि अधिकारी यांना सदर बाबीवरील निधी आहरीत व संवितरीत करण्यासाठी संचालक, (विस्तार व प्रशिक्षण) हे प्राधिकृत करीत आहेत.

| अ. क्र. | बाब  | आहरण व संवितरण अधिकारी |
|---------|--|------------------------|
| ५       | १. ऑनलाईन अॅडव्हायजरी जंबो झेरॉक्स करून प्रत्येक गावात प्रसिध्द करणे.<br>२. आपत्कालीन निविष्टांचे अनुदान डीबीटीद्वारे संबंधीत शेतकऱ्यांचे बँक खात्यावर जमा करणे. | तालुका कृषि अधिकारी    |

सदर बदलांनुसार संबंधीतांनी तात्काळ कार्यवाही करण्याची दक्षता घ्यावी.

  
 डॉ. सु. ल. जाधव  
 संचालक (विस्तार व प्रशिक्षण)  
 कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र राज्य

जा.क्र./विप्र-७/क्रॉपसॅप १७-१८/प्र.क्र.३/ ३९९ /१७

कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे- ५

दिनांक: १४/०७/२०१७

प्रति,

१. विभागीय कृषि सहसंचालक (सर्व) -----
२. जिल्हा अधिक्षक कृषि अधिकारी (सर्व) -----

विषय: पिकांवरील कीड-रोग सर्वेक्षण व सल्ला प्रकल्प (क्रॉपसॅप): २०१७-१८ मार्गदर्शक सुचना अंतिम करणेबाबत...

संदर्भ: १. आयुक्तालयाच्या अंतरीम मार्गदर्शक सुचनांचे पत्र जा.क्र./विप्र-७/क्रॉपसॅप १७-१८/प्र.क्र.३/ २९३/१६, दि.३१/५/२०१७

२. कृषि व पदुम विभाग शासन निर्णय क्र.किरोनि/१४१७/प्र.क्र.१५८/४-अ, दि.०६/७/२०१७

उपरोक्त विषयान्वये सन २०१७-१८ मध्ये क्रॉपसॅप प्रकल्पाच्या अंमलबजावणीकरीता संदर्भीय दि.०६/७/२०१७ च्या शासन निर्णयान्वये प्रशासकीय व वित्तीय मान्यता प्रदान करण्यात आली आहे. त्यानुषंगाने संदर्भाधीन शासन निर्णयाचे अधीन राहून संदर्भीय दि.३१/०५/२०१७ च्या पत्रान्वये निर्गमित करण्यात आलेल्या अंतरीम मार्गदर्शक सुचना या पत्रान्वये अंतिम करण्यात येत आहेत.

संदर्भीय शासन निर्णयानुसार प्रकल्पाची काटेकोर अंमलबजावणी करावी. शासन निर्णयातील परिच्छेद क्र.४ मध्ये नमूद केलेल्या पुढील कार्यपद्धतीनुसार प्रकल्पांतर्गत मनुष्यबळाचे वेतन अदायगी करण्यात यावी.

१. मनुष्यबळ पुरवठादार संस्थाकडून प्रत्येक माहिऱ्याच्या १० तारखेपर्यंत कर्मचाऱ्यास देय परिश्रमिकाची रक्कम त्यांच्या बँक खात्यावर जमा करावी.
२. कर्मचाऱ्याकडून देय असलेला पी.एफ हिश्याची व पुरवठादार संस्थेकडून देय असलेल्या पी.एफ. हिश्याच्या रक्कमेचा भरणा पुरवठादार संस्थेने प्रत्येक माहिऱ्यात करावा.
३. पुरवठादार संस्थेने अदा करावयाच्या शासकीय करांचा भरणा शासन कोषागारात प्रत्येक माहिऱ्यात करावा.
४. उपरोक्त अनुक्रमांक १ ते ३ येथील बाबींची पूर्तता केल्याबाबतची कागदपत्रे पुरवठादार संस्थेने प्रत्येक माहिऱ्याच्या शेवटच्या आठवड्यात जिल्हा अधिक्षक कृषि आधिकारी यांच्याकडे सादर करावीत. सादर कागदपत्रे प्राप्त झाल्याशिवाय पुढील माहिऱ्याच्या परिश्रमिकाची रक्कम जिल्हा अधिक्षक कृषि आधिकारी यांनी पुरवठा संस्थेस अदा करू नये.
५. अनुक्रमांक १ ते ३ येथील अटीचे उल्लंघन करणाऱ्या पुरवठादारा संस्थेविरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करण्याचा प्रस्ताव जिल्हा अधिक्षक कृषि आधिकारी यांनी विभागीय कृषि सह संचालकाकडे पाठवावा.



डॉ. सु. ल. जाधव  
संचालक (विस्तार व प्रशिक्षण)  
कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे

प्रत: माहितीस्तव:

१. कृषि सहसंचालक (नियोजन), कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे-५
२. कृषि सहसंचालक वि.प्र. १ / २ / ३, कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे-५

३. कीटकशास्त्र विभाग प्रमुख, वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी
४. कीटकशास्त्र विभाग प्रमुख, महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी
५. कीटकशास्त्र विभाग प्रमुख, डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला.
६. कीटकशास्त्र विभाग प्रमुख, डॉ. बाळासाहेब सावंत कोकण कृषि विद्यापीठ, दापोली
७. श्री. कैलास ईळेकर, प्रमुख प्रणाली विश्लेषक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआयसी), पुणे- ४११ ००७
८. कृषि उपसंचालक (माहिती), कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे-५
९. कृषि उपसंचालक (प्रकल्प), कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे-५